दिक्कत को दूर करने के लिए नीति बनी हुई है, लेकिन उसके चलते काम नहीं चल रहा है। काम इसलिए नहीं चल रहा है कि हम पहले जिस तरह के एनवायरमेंट में इंडस्ट्री चला रहे थे, उसकी परिस्थिति में बहुत बड़े पैमाने पर बदलाव आ गया है। जो दुनिया का बाजार है उसका असर यहां पर भी पड़ने लगा है, यह असर पहले नहीं पड़ता था। हम लोग पहले पी॰डी॰एस॰ में शुगर देते थे, अब पी॰डी॰एस॰ में भी कोई शुगर उठाने के लिए तैयार नहीं है। कर्णाटक के माननीय सदस्य नहीं आए हैं, उनका इस संबंध में सवाल था और मैं उसमें बड़े विस्तार से इस बात को समझाता कि पी॰डी॰एस॰ का कहीं उठान नहीं हो रहा है। पहले शुगर पी॰डी॰एस॰ में चला जाता था। ...(व्यवधान)...

श्री दत्ता मेघे: क्वालिटी ठीक नहीं होती है इसलिए नहीं उठाते हैं। ...(व्यवधान)...

श्री सभापति: अब आप उत्तर समाप्त करिए।

श्री शरद यादव: सभापति महोदय, मैंने निवेदन किया कि इसमें एक तरह की परेशानी नहीं है, इसमें कई तरह की प्राब्लम्स हैं।

श्री मोती लाल वोरा: माननीय सभापति महोदय, मिनिमम सपोर्ट प्राइस जो आपने तय की है उससे भी बहुत कम कीमत पर मिल मालिक किसानों का गन्ना 40 रुपये प्रति क्विंटल पर खरीद रहे हैं। क्या इस पर माननीय मंत्री जी ध्यान देंगे? उत्तर प्रदेश में किसानों से 40 रुपये प्रति क्विंटल गन्ना खरीदा जा रहा है।

श्री सभापति: ठीक है।

**355. [The questioner Dr. Dasari Narayana Rao was absent for answer vide page 44.]*

Satellite money orders

*336. SHRI ABANI ROY: Will the Minister of COMMUNICATIONS AND INFORMATION TECHNOLOGY be pleased to state:

(a) whether Government's attention has been drawn to the news-item captioned "Satellite se money order kiya to paise uranchhoo ho gaye", as reported in the 'Nav Bharat Times', dated the 21st September, 2002;

(b) if so, whether the money orders sent through satellite are not reaching in right hands;

(c) if so, the reasons therefor; and

(d) the steps taken by Government to streamline functioning of the Department of Posts to ensure delivery of money orders properly?

THE MINISTER OF PARLIAMENTARY AFFAIRS AND MINISTER OF COMMUNICATIONS AND INFORMATION TECHNOLOGY (SHRI PRAMOD MAHAJAN): (a) to (d) A Statement is laid on the Table of the House.

Statement

The News-item dated 21st September, 2002 relating to complaints about the money orders sent through new Very Small Aperture Terminal (VSAT) network at Kanpur was noted and immediate enquiry was made. Examination done by officials from the Postal Directorate had revealed that due to a fault in the new software, the data in respect of about 3% of money orders booked in Kanpur VSAT only during July, 2002 had failed to reach the destinations. However, necessary coorective actions on most of the complaints had been taken by the Uttar Pradesh Circle. Further, suitable remedial measures were taken to trace the few pending money orders and payments were also effected.

Suitable revision of software is under way to ensure proper performance. For the present, the earlier VSAT network and also the traditional system are being utilized for money order service, which is satisfactory.

श्री अवनि राय: सभापति महोदय, मंत्री जी ने जांच करने के लिए लिखा है और उन्होंने जांच करवाना शुरू करवा दिया है। यह अच्छी बात है। जो साफ्टवेयर में तकनीकी खराबी हुई थी, अगर उसके बारे में जनता को पहले ही सूचित कर दिया जाता तो किसी प्रकार की भ्रांति नहीं होती। मेरा आपसे क्वेश्चन यह है कि आगे से साफ्टवेयर की खराबी के कारण जनता को परेशानी पैदा न हो, इसके लिए आप क्या कदम उठायेंगे?

श्री प्रमोद महाजन: सभापति जी, मैंने स्वयं जब नवभारत टाइम्स में यह खबर पढ़ी तो मैंने इसकी जांच-पड़ताल करवाई और यह पता चला कि साफ्टवेयर में कुछ तकनीकी खराबी होने के कारण केवल तीन प्रतिशत सैटेलाइट मनीआर्डर हैं जो उचित स्थान पर नहीं पहुंचे हैं। उन सभी के नाम लेकर उनको उचित स्थान पर पहुंचाने की व्यवस्था हो चुकी है और सबको पैसा मिल गया है। अभी साफ्टवेयर ठीक है। अभी सैटेलाइट मनीआर्डर में कोई दिक्कत नहीं है। लेकिन सैटेलाइट मनीआर्डर एक पारंपरिक मनीआर्डर से अधिक शीघ्रता से पैसा भेजने का प्रयोग है और जो सफलतापूर्वक चल रहा है।

श्री अवनि राय: सभापति महोदय, मेरा दूसरा प्रश्न है। मंत्री जी आपने जो उत्तर दिया है, उसी में से कर रहा हूं कि मनीआर्डर सर्विस जो ट्रेडीशनल सिस्टम में है वह ज्यादा सेटिसफैक्टरी है।

If you feel that the traditional system is satisfactory, why are you introducing the satellite system?

SHRI PRAMOD MAHAJAN: Sir, I respectfully submit that I have not said that. I will read my answer, "For the present, the earlier VSAT network and also the traditional system are being utilised for money order service, which is satisfactory". The comma after the word "which" indicates that both are satisfactory. The whole point is that in the case of a money order, the money should reach the person. That is all. That is the real test. The traditional method is stamping it and sending it from one post office to another. It takes a long time. Now, we are using the VSAT for many things. The communication is sent through the VSAT so that the money can be received earlier. One or two per cent of such things can happen in software and it is under the permissible limits of fault. They have always been corrected and the money is paid.

High security number plates

*337. SHRI B.J. PANDA:
SHRI KRIPAL PARMAR:†

Will the Minister of ROAD TRANSPORT AND HIGHWAYS be pleased to state:

(a) whether Government are aware of the report captioned, "High Security Number Plates mandatory from February, 2003", appearing in the 'Times of India' dated the 24th August, 2002;

(b) if so, what are the details of this action plan;

(c) whether this would be made mandatory for all vehicles, both old and new; and

(d) in what way would this help in controlling misuse and theft of vehicles?

THE MINISTER OF STATE OF THE MINISTRY OF ROAD TRASNPORT AND HIGHWAYS [MAJOR GENERAL (RETD.) B.C. KHANDURI]: (a) to (d) A Statement is laid on the Table of the House.

†The question was actually asked on the floor of the House by Shri Kripal Parmar.